विश्व मधुमेह दिवस पर बाल मधुमेहियों का मिलन समारोह

प्रसिद्ध वैज्ञानिक फ्रेडरिक बेंटिंग जिन्होंने इंसुलिन का आविष्कार कर दुनियाँ में लाखों लोगों की जान बचाई एवं नया जीवन प्रदान किया उनका जन्मदिन 14 नवंबर को आता है। इसी दिन को उनकी स्मृति में **''विश्व मधुमेह दिवस''** के रूप में मनाया जाता है। इंसुलिन टाईप-1 मधुमेहियों के लिये अमृततुल्य है।

यह संयोग है कि 14 नवम्बर को हमारे देश के प्रथम प्रधानमंत्री श्री पंडित जवाहरलाल नेहरू जी का जन्म दिवस, बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है। टाईप-1 मधुमेह से मुख्यत: बच्चे ही पीड़ित होते हैं, अत: बाल दिवस तथा विश्व मधुमेह दिवस के उपलक्ष्य पर 'मधुमेह वाणी' द्वारा होटल नूर उस सबा पैलेस में बाल मधुमेहियों के मिलन समारोह का आयोजन किया गया।

इस समारोह के संयोजक डॉ. सुशील जिंदल ने बताया कि ये बाल मधुमेही जिस जीवटता से इस रोग के बावजूद अच्छे से अपना जीवन यापन कर रहे हैं वह बहुत ही साहसिक तथा सराहनीय है। इसे सम्मेलन में विशेष रूप से रेखांकित किया गया।

जैसा कि ज्ञात है ये रोगी अपने शरीर में इंसुलिन नहीं बना पाते और इन्हें जीवन पर्यन्त इंजेक्शन द्वारा दिन में दो या तीन बार इंसुलिन का इंजेक्शन लेना पड़ता है। ये बच्चे चॉकलेट, मिठाई व अन्य कई प्रिय चीजें यहाँ तक कि वो अपने जन्म दिन का केक भी नहीं खा सकते। ये बच्चे व इनके परिजन एक बड़ी त्रासदी से गुज़रते हैं। इस कार्यक्रम में विशेषज्ञों द्वारा बेहतर जीवन जीने व मधुमेह नियंत्रण पर सुझाव दिये गये।

डॉ. सुशील जिन्दल ने इन बाल मधुमेहियों को मधुमेह की मूलभूत जानकारी, मधुमेह से होने वाली परेशानियाँ, मधुमेह नियंत्रण के उपाय तथा बाल मधुमेहियों एवं उनके माता-पिता को इंसुलिन के सुरक्षित उपयोग कैसे करें आदि तथ्यों पर प्रकाश डाला तथा उपस्थित सभी बाल मधुमेहियों को अलग-अलग (व्यक्तिगत रूप से) परामर्श भी दिया। इस समारोह में अन्य

विश्व मधुमेह दिवस पर आयोजित इस कार्यक्रम में बाल मधुमेह रोगियों की गुर्दे, नसों, आँखों, ब्लडशुगर एवं शुगर मेमोरी टेस्ट आदि जाँचें नि:शुल्क की गई।

सहयोगी विशेषज्ञ डॉक्टरों जैसे-डॉ. एच.एस.त्रिवेदी, डॉ. एस.एस. येसिकर, डॉ. सुभाष शर्मा तथा डॉ. प्रकाश अग्रवाल (नेत्र रोग विशेषज्ञ) ने सभी बाल मधुमेहियों को अलग-अलग परामर्श दिया।

नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रकाश अग्रवाल ने सभी बाल मधुमेहियों के नेत्रों का परीक्षण किया तथा मधुमेह में नेत्रों की सुरक्षा पर परामर्श दिया। दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. श्रीमती अंकिता अग्रवाल ने सभी बाल मधुमेहियों के दाँतों का परीक्षण किया तथा दाँतों की सुरक्षा के लिये सुझाव दिये।

माननीय मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान इस कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित रहे।

माननीय मुख्यमंत्री जी ने सभी बाल मधुमेहियों (मधुमेह रोगियों) को बधाई देते हुये कहा कि आप सब लोग बहादुर बच्चे हैं जो दिन में दो या तीन बार इंसुलिन स्वयं लगा रहे हैं। मा. मुख्यमंत्री जी ने कहा कि मुझे तो इंजेक्शन से आज भी डर लगता है।

मा. मुख्यमंत्री जी ने इन बच्चों तथा उनके परिजनों को तथा उपस्थित सभी लोगों को सम्बोधित करते हुये कहा कि स्वस्थ रहने के लिये संयमित जीवन शैली अति आवश्यक है। उन्होंने व्यायाम, आहार-विहार पर नियंत्रण करने को कहा और इसी संदर्भ में स्वस्थ रहने का एक सूत्र बताया कि हम सभी को -

'मित भोज' संयमित आहार

'हित भोज' स्वास्थ्य के लिये हितकारी आहार

'ऋत भोज' मौसम के अनुसार उपलब्ध फल, सब्जी एवं अनुकूल आहार।

इस सूत्र का पालन करना चाहिये

तथा कहा कि हमारे विशेषज्ञ इस संयमित आहार विहार आदि के लिये उचित परामर्श देते रहते हैं, जो कि पालन करने योग्य हैं।

इस कार्यक्रम में बाल मधुमेह रोगियों की गुर्दे, नसों, आँखों, ब्लडशुगर एवं शुगर मेमोरी टेस्ट HbA1c आदि जाँचें नि:शुल्क की गई।

इस समारोह में मधुमेह जागरुकता पर बाल मधुमेहियों की एक प्रश्नोत्तर प्रतियोगिता भी आयोजित की गई जिसमें सभी बाल मधुमेहियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में विजेता बाल मधुमेहियों को उनके मधुमेह के बारे में जागरुक होने के लिये प्रोत्साहित किया गया तथा पुरस्कार भी दिये गये।

जिन बाल मधुमेहियों ने जागरुकता के साथ अपने मधुमेह पर लगातार नियंत्रण रखा, उनको भी पुरस्कार दिये गये। इस प्रकार इस समारोह में बाल मधुमेहियों को मधुमेह जागरुकता एवं नियंत्रण के लिये प्रोत्साहित किया गया।

सभी बच्चों एवं उनके पालकों ने समारोह के आयोजन पर मधुमेह वाणी को धन्यवाद दिया और समय-समय पर इस तरह के कार्यक्रमों के आयोजन का आग्रह किया।

मधुमेह वाणी के प्रधान संपादक डॉ. सुशील जिंदल तथा डॉ. सुभाष शर्मा ने इस तरह के समारोह का पुनः आयोजन करने का आश्वासन दिया।

इस समारोह के कुछ स्मरणीय पलों का छायांकन भी किया गया जो पाठकों के लिये प्रस्तुत किया जा रहा है।●●●